

DEPARTMENT OF ECONOMICS
UNIVERSITY OF ALLAHABAD

**Syllabus for 4 Year Undergraduate Course based on
National Education Policy (NEP) 2020**

Lecture List
(व्याख्यान सूची)
B.A. (Sem. I & II)
2025-26

अर्थशास्त्र विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय



Heritage Building of the Department of Economics

The building of the Department of Economics carries a legacy of rich heritage. Since 1904 to 1922 it housed the famous Indian Press established by Chintamani Ghosh known as Caxton of Hindi world. The Indian Press published rich prose and poems in Bangla, Hindi, English and Urdu language.

Between 1909 and 1914, Indian Press published 87 books by Gurudev Rabindranath Tagore. In 1912 Tagore's immortal work 'Gitanjali' was printed in this Department which fetched him the grand Nobel Prize in Literature in 1913 and blazed him into world-wide glory.

In 1914 he visited the Indian Press for the second time. Rabindranath punctually reached the portals of the Indian Press at mid-day, and the poet, smiling as he was then, got down only to see the smiling Chintamani Babu, waiting to receive him personally. What a majestic scene of cordial embrace the one did the other! The press-employees, who had been especially permitted that day to stand and wait outside to have a glimpse of the Poet, were all speechless at this spectacle. The poet said first, 'Chintamani Babu! I have no words to thank you. I am simply overwhelmed....' At once quipped Chintamani Babu, "I have a request! Let us have the privilege to hear in camera your song in your voice."

To this the poet readily acceded and all went to the drawing-room of Chintamani Babu where a piano was kept. The poet rendered the music on the instrument and tuned the first song of his Gitanjali in his melodious voice :

*"Aamarmathanatokoreydaao hey
tomarcharandhulartaley..."*



प्रिय छात्रगण,

मुझे हर्ष है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत शैक्षिक वर्ष 2025-26 से चार-वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम लागू कर रही है। जिसका अनुसरण अर्थशास्त्र विभाग भी कर रहा है। विद्यार्थियों द्वारा स्नातक पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आपने अर्थशास्त्र विषय को मेजर और माइनर के रूप में चुना है। यह कहना उपयुक्त होगा कि अर्थशास्त्र के सिद्धान्त व विश्लेषण के उपकरण अब अधिकाधिक रूप से अनेक सामाजिक-आर्थिक समस्याओं यथा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण आदि अध्ययन-क्षेत्रों में प्रयोग किये जा रहे हैं। इनमें से कुछ की झलक आपको बी० ए० पाठ्यक्रम में मिलेगी।

हम सबके लिये गौरव का विषय है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय का अर्थशास्त्र विभाग देश के सबसे पुरातन अर्थशास्त्र विभागों में से एक है जिसके आप एक अंग हैं। इसकी स्थापना 1914 में प्रो. एच. एस. जेवन्स ने वर्ष 1916 में इण्डियन जर्नल ऑफ इकॉनॉमिक्स की स्थापना की जो भारत का उच्च शैक्षणिक स्तर पर प्रथम जर्नल था तथा अब भी विभाग से प्रकाशित हो रहा है। जेवन्स ने ही कतिपय अन्य भारतीय अर्थशास्त्रियों के साथ मिलकर इण्डियन इकॉनॉमिक एसोसिएशन की स्थापना वर्ष 1917-18 में की। इस विभाग के बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध के अन्य शीर्षस्थ अर्थशास्त्री थे प्रो० ए.आर. बर्नेट-हर्स्ट, प्रो. सी. डी. थॉमसन, प्रो० एस० के० रुद्रा, प्रो० बी० पी० अडारकर तथा प्रो० जे० के० मेहता। उत्तरार्द्ध के प्रमुख अर्थशास्त्रियों में सर्वश्री प्रो० पी० सी० जैन, महेश चन्द्र, आर० एन० भार्गव, आर० बी० बहादुर, आई० जेड भट्टी, पी० डी० हजेला, एल० एल० परमार आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। अन्य प्रख्यात अर्थशास्त्री जो विभाग से सम्बद्ध रहे उनके नाम हैं प्रो० एल० एल० परमार, प्रो० गौतम माथुर, प्रो० डी० एस० कुशवाहा, प्रो० वी० के० आनन्द, प्रो० आर० एन० लोहकर, प्रो० पी० एन० मेहरोत्रा, प्रो० अलका अग्रवाल, प्रो० एस० एन० लाल, प्रो० यू० एस० राय, प्रो० जगदीश नारायण, प्रो० प्रह्लाद कुमार, प्रो० मनमोहन कृष्ण, प्रो० जी० सी० त्रिपाठी तथा प्रो० प्रशान्त कुमार घोष।

विभाग में कार्यरत रहते हुए प्रो० एच० एस० जेवन्स, सी० डी० टॉमसन, सुधीर कुमार रुद्रा और जे० के० मेहता इण्डियन एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। एसोसिएशन के अन्य अध्यक्षों में जो विभाग से भी संबंधित रहे, निम्नलिखित प्रमुख हैं - सर्वश्री एम० बी० माथुर, गौतम माथुर, पी० डी० अजेला, बारिद बी० भट्टाचार्य हैं। विभाग में विद्यार्थी और अध्यापक रहे डॉ० डी० के० श्रीवास्तव वित्त आयोग के सदस्य, मद्रास स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स के निदेशक तथा अन्स्ट एण्ड यंग के मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके हैं। अनेक विद्यार्थी विभाग से अध्ययन प्राप्त करने के उपरान्त उच्च पदों पर अपनी सेवायें दे रहे हैं। यह विभाग की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।



विभाग में 34 शिक्षक पद हैं तथा आचार्य का एक पद नीति आयोग द्वारा भी सृजित किया गया है। विगत वर्षों में विभाग के अनेक सदस्य संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, युनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड्स, बोट्सवाना, रूस, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, नाइजीरिया, साउथ अफ्रीका, जापान, सिंगापुर, मलेशिया आदि देशों की यात्रा फेलोशिप प्रोग्राम तथा अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठियों में भाग लेने हेतु कर चुके हैं।

विभाग में पठन-पाठन का स्तर देश के चर्चित विश्वविद्यालयों के समकक्ष है तथा विषय के पाठ्यक्रम इस प्रकार से संगठित किये गये हैं कि अर्थशास्त्र विषय की प्रमुख धाराओं का ज्ञान छात्रों को सुव्यवस्थित रूप से उपलब्ध हो सके।

भारतवर्ष में अर्थशास्त्र की प्रथम शोध-पत्रिका “The Indian Journal of Economics”, का प्रकाशन हमारे विभाग द्वारा 1916 से निरंतर किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित शोध-पत्रिका में देश-विदेश के अर्थशास्त्रियों के शोध-प्रपत्र प्रकाशित होते हैं तथा इसका प्रसार भारत के अतिरिक्त अन्य देशों में भी है।

विभाग का देश के विभिन्न प्रसिद्ध शिक्षण व शोध संस्थानों से अंतरंग एवं नेटवर्किंग पूर्व-स्थापित है, जिसे और अधिक गहन बनाने की सतत् प्रक्रिया जारी है। इनमें से कतिपय विशिष्ट संस्थानों का परिचय निम्नवत है—

(अ) नीति आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली :

योजना आयोग द्वारा सन् 1996 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग को देश के 12 उन शिक्षण केन्द्रों में से एक के रूप में चुना गया जहां योजना आयोग, भारत सरकार ने ‘आयोजन एवं विकास इकाई’ स्थापित की है और इस इकाई की स्थापना हेतु कुल 30 लाख रुपये का अनुदान अवमुक्त किया गया। अब यह इकाई नीति आयोग के अन्तर्गत संचालित है। प्रोफेसर जीन ड्रेज आयोजन एवं विकास इकाई के प्रथम चेयर प्रोफेसर तथा प्रोफेसर मनमोहन कृष्ण आयोजन एवं विकास इकाई के द्वितीय चेयर प्रोफेसर रहे हैं।

आयोजन एवं विकास इकाई द्वारा फरवरी 2022 में प्रोफेसर डी. के. श्रीवास्तव द्वारा लिखित एक मोनोग्राफ “On the Economic Ideas of Professor J. K. Mehta : A Journey into the Interior of the Self” प्रकाशित किया गया।

(ब) गोविन्द बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, झूँसी, प्रयागराज

विभाग के शोध छात्र-छात्रायें व शिक्षक इस संस्थान द्वारा आयोजित शैक्षणिक तथा शोध कार्यक्रमों में परस्पर सहयोग करते हैं।

रोजगार-उन्मुख कोर्स :

विदेशी व्यापार में एक वर्षीय परास्नातक डिप्लोमा कार्यक्रम :

सत्र 2002-03 से अर्थशास्त्र विभाग ने विदेशी व्यापार के बढ़ते हुए महत्व तथा इनके प्रशिक्षण के पश्चात् रोजगार प्राप्त करने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए एक वर्षीय स्वचित पोषित



कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया था। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले अनेक सफल विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के पश्चात् निर्यात गृहों, औद्योगिक इकाईयों में उपयुक्त रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं तथा कई विद्यार्थियों ने अपनी निर्यात इकाईयां स्थापित करने में भी सफलता प्राप्त की हैं।

सत्र 2015-16 से एम0ए0 पाठ्यक्रम में सेमेस्टर प्रणाली प्रारम्भ की गयी है।

शताब्दी वर्ष

जुलाई 2014 से जून 2015 की अवधि के मध्य अर्थशास्त्र विभाग द्वारा शताब्दी वर्ष मनाने का निर्णय लिया गया था। इस अवधि में अर्थशास्त्र विभाग के सभी परिषदों की गतिविधियाँ “अर्थशास्त्र विभाग शताब्दी वर्ष समारोह” की गतिविधियों के रूप में सम्पन्न हुईं। दिसम्बर 2015 में *समसामयिक वैश्विक आर्थिक मुद्दों (Contemporary Global Economic Issues)* पर एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था तथा फरवरी 2016 में *हरित भविष्य की ओर (Towards a Green Future)* पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। मार्च 2017 में *भारत में आर्थिक उदारीकरण के 25 वर्ष : आगे का मार्ग (Twenty Five Years of Economic Reforms in India : The Path Ahead)* विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। मार्च 2018 में *नगदी रहित अर्थव्यवस्था की दिशा में उत्कृष्ट पहल : मुद्दे और चुनौतियाँ (Cashless Economy and Financial Inclusion in India : Issues and Challenges)* विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इसी कड़ी में विभाग ने पुरा छात्र-छात्राओं हेतु ‘अर्थशास्त्र विभाग पुरा छात्र परिषद्’ (Alumini Association of Economics Department) का गठन किया गया। इस परिषद के अंतर्गत भी हर वर्ष पुरा-छात्र सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। अर्थशास्त्र विभाग के पुरा-छात्र विभाग के अधोसंरचना के विकास के साथ-साथ वर्तमान छात्रों के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न पुरस्कार भी प्रदान करते हैं। इन पुरा-छात्रों में से ही एक डॉ0 सुधाकर पण्डा ने भारतीय रिजर्व बैंक के उप गवर्नर डॉ0 हारुन खान के सहयोग से विभाग के व्याख्यान कक्ष संख्या 7 को एक अत्याधुनिक सभागार कक्ष के रूप में विकसित करने के लिये 28 लाख रुपये की सहयोग राशि उपलब्ध करायी। जिसके सहयोग से 11 फरवरी, 2017 को इस नव-निर्मित सेमिनार कक्ष का उद्घाटन किया गया।

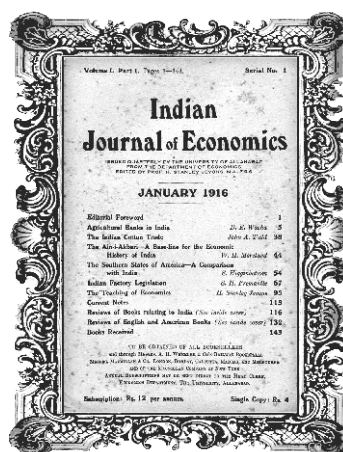
सभी पुरा-छात्र एवं छात्राओं से उम्मीद है कि वे अपने अध्ययन काल के दौरान जिस संस्था से जुड़े रहे हैं, उसकी प्रगति हेतु यथासंभव सहयोग करेंगे।

मुझे आशा है कि अर्थशास्त्र विभाग से आपकी सम्बद्धता सुखद व फलदायक सिद्ध होगी और हम सब मिलकर एक उन्नत और समृद्ध भारत का निर्माण करेंगे।

प्रो० किरन सिंह

अध्यक्ष

अर्थशास्त्र विभाग



The Indian Journal of Economics [IJE]

The Indian Journal of Economics was established by Prof. H. Stanley Jevons, First Head of the Department of Economics, University of Allahabad. The first Issue of the Journal appeared in January, 1916. This is the oldest surviving national Economics journal of the country and is being published on quarterly basis regularly since 1916.

The Journal is published with the three-fold object of providing a medium for the publication of articles on economic problems by authors of academic standing or authoritative positions, furnishing a convenient and compact vehicle for publication of original investigations and disseminating information about the economic activities of India and other countries. Its scope has been generally extended since then so as to cover every branch of economic science.

Since 1949 the Indian Journal of Economics disassociated itself with the Indian Economic Association but has continued with its uninterrupted publication till date, and has wide national and international circulations. During the past 100 years, the Journal has succeeded in developing many debates on various aspects of Economic Theory and Policy.

This Peer-reviewed Quarterly Journal has been listed in the UGC-Care List of Journals.

website : www.indianjournalofeconomics.com



Under the Centenary Year activities, in 2014 the Department of Economics had taken an environmental initiative **“Eco-Green”** with a tag line **Think Green-Act Green**. The Department of Economics is the first in the University to launch such an effort in order to make the environment more clean.

The objective is to educate and involve the students in environmental issues. In this context the department has decided to observe the environmental calendar to commemorate important days relating to different environmental aspects. Prof. Prahlad Kumar was the first Patron of Eco-Green. Prof. P. K. Ghosh was the first Convener of Eco-Green. Prof. Kiran Singh, HoD is the current Patron.

OBJECTIVES – THINK GREEN

- 1- Educating students and youngsters about environmental issues.
- 2- To enhance the level of environmental awareness.
- 3- To enhance the understanding of the relationship between human beings and the environment.
- 4- Think differently about our interactions with the environment.
- 5- Taking decisions that help the environment rather than harm it.
- 6- To develop capabilities /skills to improve and protect the environment.
- 7- To mobilise students’ participation for preservation and conservation of environment.
- 8- Effective implementation of environment management and conservation programmes.
- 9- To develop the habit in the students how to help in the protection of the environment by their simple and easy daily routine acts in the institution and at home.
- 10- To observe the environment calendar.
- 11- Inculcating a sense of responsibility and a pro-active citizenship.



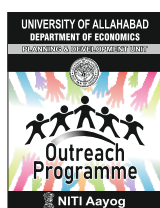
ENVIRONMENT CALENDAR

February 02	–	World Wetlands Day
March 20	–	World Sparrow Day
March 21	–	World Forestry Day
March 22	–	World Water Day
April 22	–	Earth Day
May 22	–	World Biodiversity Day
June 05	–	World Environment Day
June 08	–	World Oceans Day
July 11	–	World Population Day
July 29	–	International Tiger Day
September 16	–	World Ozone Day
October 14	–	International E-waste Day
October 24	–	Freshwater Dolphin Day
December 11	–	World Mountain Day

ACTIVITIES – ACT GREEN

On these days, one or more of the following items on the specific issue can be organised –

- 1- Hold a discussion.
- 2- Organise a debate.
- 3- Give a talk on the subject.
- 4- Organise a JAM (Just a minute) competition.
- 5- Arrange a film show.
- 6- Organise a poster/ painting competition.
- 7- Have a photograph competition.
- 8- Organise a quiz.
- 9- Arrange a wall display highlighting the occasion.
- 10- Enact a play highlighting the issue.
- 11- Read a poem or a quotation or both.
- 12- “Hands-on” learning programmes like tree plantation, clean your neighborhood drive, caring for an animal, etc.



Outreach Programme

To rollout an outreach programme designed to help and encourage marginalized and disadvantaged members of the local community of nearby areas within the district.

The activities will especially focus on rural poor in general and girls and women in particular to make them empowered and active agents of change in the society.

Proposed Outreach Activities :-

- Adoption of a village.
- Health, Hygiene and Sanitation : Awareness and participation.
- Field training and workshop on Environmental conservation and promotion practices.
- Digital literacy and training in Computer Application.
- Promotion & awareness of financial inclusion of women.
- To conduct Nature camp for the Children.

Following outreach activities was conducted :

To promote awareness on various important issues including health and hygiene to village community in Tiwaripur Village of Prayagraj on 08 February 2022.

To promote awareness in Rural Areas under Planning and Development Unit of Department in Muar, Adharganj, Pratapgarh on 07 March 2023.

To promote mental health awareness and career counseling in Alamchand village, Kaushambi, on 16 February 2024.

To promote sustainable livelihood among rural households the department organised an One-day Outreach Programme on the March 2025 in Gram Panchayat Chibbbiya Parhar Block, Bahadurpur District, Prayagraj.

The undergraduate students of the department conducted a survey of Socio-economic aspect of Mahakumbh 2025 in February 2025.



ECONOMISTS SPEAK

Webinars organized

The “Economists Speak”, was launched by Prof. P. K. Ghosh, the then Head, Department of Economics, University of Allahabad, for promoting student engagement and learning Online during lockdown and beyond. It connects distinguished economists, academicians and eminent scholars for dissemination of knowledge and sharing of ideas on various dimensions of economics & economy.

In this “Economists Speak” series, the First web session was organised on 11 May 2020. Prof. Sudhakar Panda, an alumnus of the Department of Economics, University of Allahabad and the present Vice-Chancellor of Birla Global University, Bhubaneswar, delivered his e-lecture on “Post Covid-19 Indian Economy: Challenges & Possibilities”.

The Second web session of “Economists Speak” was organised on 22 June 2020. Prof. Tahereh Alavi Hojjat, Chair & Professor of Economics DeSales University, Center Valley, Pennsylvania, United States delivered her e-lecture on “Reopening the Economy: Challenges and Opportunities”

The Third web session of “Economists Speak” was organised on 30 July 2020. Dr. Homagni Choudhury, Head of the Department of Economics at Kingston University in London delivered his e-lecture on “A tale of two Indias : Are the best leaving behind the rest ?”

The Fourth web session of “Economists Speak” was organised on 27 February 2021. Prof. P. K. Chaubey, Former Professor, IIPA New Delhi, IMS Lucknow & IGNOU, New Delhi delivered his e-lecture on “India's Strategy for Fighting COVID-19 Recession”.

The Fifth hybrid session of “Economists Speak” was organised on 27 October, 2021. Dr. Michael Debabrata Patra, Deputy Governor, Reserve Bank of India delivered his e-lecture on “India's Economic Growth : Challenges Ahead”.

A virtual discussion on “How to Publish Successfully ?” was jointly organized by the Bournemouth University, U.K. and the Department of Economics, University of Allahabad on 03 March 2022. The discussion on the topic took place between Prof. Sangeeta Khorana of Bournemouth University and Prof. Justin Paul of University of Puerto Rico, USA.

The Sixth web session of “Economists Speak” was organised on 20 April, 2022. Dr. Hippu Salk Kristle Nathan of Institute of Rural Management (IRMA), Anand, Gujarat delivered his e-lecture on “A New



Approach to Assess Energy Poverty: An illustration from Urban Areas of Indian States”.

The Seventh web session of “Economists Speak” was organised on 30 April, 2022. Prof. S. R. Keshava of Department of Economics, Bangalore University delivered his e-lecture on “Russia-Ukraine War : Impact on Indian Economy”.

To commemorate the World Environment Day, 2022 a web session was organized on 05 June 2022. Prof. Sudhakar Panda, Former Vice-Chancellor, Birla Global University, Bhubaneswar delivered a e-lecture on “Environmental Protection for Sustainable Development” as eight lectures.

A virtual session was specially organized for the Research Scholars of economics perusing the Pre-Ph.D. Course Work. Prof. Sangeeta Khorana of Bournemouth University, U.K. and Adjunct Faculty of Department of Economics, University of Allahabad delivered her e-lecture on “How to do Research ?” on 21 September 2022.

The 9th session of the economist speak has been organized in the centenary auditorium of Department on 6th of February, 2024. The lecture was delivered by Prof. Nissar A. Barua (Guahati University) on the topic 'Demographic dividend: India's Opportunity Window'.

The 10th session of the economist speak has been organized in the centenary auditorium of Department on 1st September, 2023. The lecture was delivered by Dr Dhananjay Kumar (industrial economist of World Bank) on the topic 'Reinventing Economics'.

The 11th session of the economist speak has been organized in the centenary auditorium of Department on 29th of February, 2024. The lecture was delivered by Prof. A. K. Gaur (BHU) on the topic 'Path of investment :Lessons from Domar model'.

The 12th session of the economist speak has been organized in the centenary auditorium of Department on 29th of February, 2024. The lecture was delivered by Prof. J B Komaraiah (B H U) on the topic 'Qualitative Research: Does it fit in economics in current scenario'.

The 13th session of the economist speak has been organized in the centenary auditorium of Department on 6th December, 2023. The lecture was delivered by Prof. Ashok Mittal (A M U) on the topic 'Selection of research topic, process and techniques of writing PHD thesis'.

A special lecture on “Public Financial Management: Perspective and Prospects” was delivered by Prof. Dr. A. K. Sharan, Finance Officer, University of Allahabad, on 12th March, 2024 in the S. K. Rudra Conference Hall, Department of Economics.



ALUMNI ASSOCIATION

With the purpose of connecting the former students of the department, the Alumni Association of the department of the Economics was established in the Centenary Year 2014. The Department has organized seven alumni meets so far in which various programmes were held. The Association confers three awards to deserving students and prestigious Prof. J. K. Mehta Award to the eminent alumnus. The Head of Department is ex-officio president of the association and Sri Sudhanshu Tiwari, Joint Commissioner, Industry, Prayagraj is its General Secretary at present. There are about 500 life members registered with the Alumni Association.

The Alumni Association organized a Webinar on “Future of Globalization in Post Covid Era” on 23rd May, 2020, in which Prof. Sangeeta Khorana of Bournemouth University, London, Dr. Vineet Srivastava, Director of Executive Assistant of Dy. Governor RBI and Mr. Dipak Kumar, IAS, Principal Secretary, Department of Environment, Forest & Climate Change, Bihar over the Panelists.

A virtual Panel Discussion on “POST COVID CARE” was organised by the Classic 86 batch under the aegis of Alumni Association on 22 May 2021. The Panellist included Dr. Rashmi Kant Mishra, Dr. Shishir Srivastava and Acharya Kaushal Kumar. Mr. Shishir Sandipan, Business Head Alliance Insurance Brockers was the moderator of the panel discussion.

The Alumini Award Function was organised on 17 November, 2021. Dr. Michael Debabrata Patra, Deputy Governor, Reserve Bank of India graced the function as Chief Guest and delivered a Special Lecture on “India's Economic Growth : Challenges Ahead”.

A special lecture on "Lessons from Bhagavad Gita" was delivered by Prof. Sunil Maheshwari, IIM Ahmedabad on February 08, 2025.

On behalf of the Department, I welcome you and assure that your stay in the Department will be fruitful and opening new vistas of opportunities through proper guidance and counseling from your teachers. I believe that your relations with the Department of Economics will be rewarding and everlasting.

Prof. Kiran Singh

Head & Ex-officio President



J. K. Mehta Award for Excellence

Every Year in its Annual Meet the Association confers three award to deserving students and prestigious “J. K. Mehta Award for Excellence” to an eminent alumnus.



2016-17	Prof. P. N. Mehrotra
2017-18	Prof. G. C. Tripathi
2018-19	Prof. D. K. Srivastava
2019-20	Prof. Sri Prakash
2020-21	Prof. Sudhakar Panda

“Nobody is bothered about an institution more than its alumni”

– N. R. Narayana Murthy



Course Structure of Undergraduate Program

BA Economics

Sem.-I & Sem.-II (Based on NEP 2025-26)

ECONOMICS AS MAJOR SUBJECT

Semester	Course Code	Discipline Specific Core	Credit
I	ECO-DSC01	Microeconomics- I	3
	ECO-DSC02	Indian Economy-I	3
	ECO-DSC03	Techniques of Economic Analysis-I	2
II	ECO-DSC04	Microeconomics-II	3
	ECO-DSC05	Indian Economy-II	3
	ECO-DSC06	Techniques of Economic Analysis-II	2



B.A. (Economics)

Semester - I

Course Code	Discipline Specific Core	Credit
ECO-DSC01	Microeconomics- I	3
ECO-DSC02	Indian Economy-I	3
ECO-DSC03	Techniques of Economic Analysis-I	2

ECO-DSC01: Microeconomics-I

Course Objectives:

1. To help students explore the theoretical background behind some fundamental concept of microeconomics.
2. To help the students understand the economic behaviour of a consumer and a producer.
3. To expose students towards the basic economic choices in different economic systems.
4. To enable students, relate the decision making at micro level from textbooks to real world.

UNIT-I

Nature of Microeconomics and its Difference with Macroeconomics
Macro decision, Law of Demand and Supply, Market Demand, A brief introduction of Elasticity of Demand.

UNIT-II

Theory of Consumer's Behaviour. Consumer's Equilibrium, Indifference Curve Analysis. Price Effect, Income Effect and Substitution Effect (Hicks & Slutsky Methods). An Elementary Treatment of Revealed Preference Theory, Consumer's Surplus.

UNIT-III

Production Function: An Elementary Treatment, Laws of Variable Proportions, Returns to Scale, Substitution in Production, Producer's Equilibrium, Elasticity of Substitution.



Texts Books:

1. Koutsoyiannis, A., Modern Micro Economics, Macmillan Press, London.
2. Dominick Salvatore, Principles of Micro Economics, Oxford, New Delhi.
3. Gregory Mankiw, N., Principles of Economics, Cengage Learning, India.
4. Pindyck, R. S. Rubinfeld, D.L. & Mehta, P.L. Microeconomics, Pearson Education.
5. Paul A. Samuelson and William D. Nordhaus; Microeconomics, McGraw Hill Education, 19th edition
6. H.L. Ahuja, Advanced Economics Theory, S. Chand & Co Ltd.

Learning Outcomes:

1. The learners will learn about the problems of choice, concept of opportunity cost and the major economic problems.
2. The learner will also know about the concept of utility, demand and supply analysis.
3. They will acquire knowledge about the various theories of production, long run and short run producer behaviour
4. The learners will have a better understanding of the economic decision making by individual consumer and producer.

ECO-DSC02: Indian Economy-I

Course Objectives:

1. To understand the features of Indian economy.
2. To familiarize students with the current issues and trends in the Indian economy.
3. To analyze major structural and policy changes in Energy and Power Sector
4. To study the role of key sectors like agriculture, industry, and services in the economy.
5. To assess government initiatives addressing rural credit.

UNIT-I

Nature and Symptoms of Under-development, Indices of Development such as HDI, etc. Main Features of Indian Economy, The Energy and Power Sector in India and its Challenges

UNIT-II

The Agricultural Sector, Salient Features of Indian Agriculture. Changing Agrarian Structure. Mechanization of Agriculture, Rural Un-employment in India.



UNIT-III

Rural Credit Structure in India, Role of Commercial Banks, Regional Rural Banks, Cooperative Banks, Land Development Banks, Primary Agricultural credit Societies, NABARD in Rural Credit.

Texts/Reference Books:

1. Mishra, S.K. & Puri, V.K. Indian Economy: Its Development Experience Himalaya Publishing.
2. Datt, R. & Sundaram, K.P.M. Indian Economy S. Chand & Company.
3. Kapila, Uma Indian Economy: Performance and Policies Academic Foundation.
4. Economic Survey of India (Latest Edition) Ministry of Finance, Government of India.
5. Union Budget, Government of India.
6. India Development Report IGIDR, Mumbai.
7. RBI Annual Reports and Handbooks.
8. NITI Aayog Reports Strategy for New India @75, Viksit Bharat @2047, SDG India Index.

Learning Outcomes:

Upon successful completion of this course, students will be able to:

1. Understand the structural transformation of the Indian economy in the post-Independence era.
2. Critically evaluate the policy related to power sector in India.
3. Critically evaluate sector-specific issues and policy interventions in agriculture Sector.
4. Interpret socio-economic challenges through the lens of rural unemployment
Assess the role of rural credit for rural development.

ECO-DSC03: Techniques of Economic Analysis-I

Course Objectives:

1. Understand and Apply Measures of Central Tendency and Dispersion.
2. Analyse Relationships Using Correlation Techniques.

UNIT-I

Statistics: Nature, functions, importance; collection of data classification and tabulation; Diagrammatic and graphical Representation of data: Bar, Pie, Histogram, and Ogive etc.



Measures of central tendency: Arithmetic Mean, Weighted Mean, Harmonic Mean Geometric Mean, Median, Mode etc., their relative Merits.

C.S.O. and N.S.S.O. Functions, Organization Working etc.

UNIT-II

Measures of Dispersion: Range, Quartile/Percentile Deviation, Mean Deviation, Standard Deviation, Coefficient of Variation, Lorenz Curve

Measures of Skewness and Kurtosis. Correlation: Linear and Rank, Index Numbers: Nature, Construction, Limitation, Importance, Construction of Index Numbers: Simple, Weighted and Price Relative Methods.

Texts/Reference Books:

1. Gupta, S. P. (2020). Statistical methods (10th ed.). Sultan Chand & Sons.
2. Gupta, S. C., & Kapoor, V. K. (2020). Fundamentals of mathematical statistics (12th ed.). Sultan Chand & Sons.
3. Shukla, M., & Sahay, S. (2018). Quantitative methods (3rd ed.). Vikas Publishing House.
4. Agarwal, D. R. (2015). Mathematics and statistics in economics. New Age International Publishers.
5. Bagchi, K. K. (2007). Research methodology in social sciences: A practical guide. Abhijeet Publications.
6. Sharma, B. A. V., Prasad, K., & Rao, U. R. (2000). Research methods in social sciences. Sterling Publishers

Learning Outcomes:

Upon successful completion of this course, students will be able to:

1. Calculate and interpret mean, median, mode, SD, and CV for data analysis. (Application, Analysis)
2. Analyse relationships using correlation methods (Pearson, Spearman)



B.A. (Economics)

Semester - II

Course Code	Discipline Specific Core	Credit
ECO-DSC04	Microeconomics-II	3
ECO-DSC05	Indian Economy-II	3
ECO-DSC06	Techniques of Economic Analysis-II	2

ECO-DSC04: Microeconomics-II

Course Objectives:

1. To introduce the idea of market structure and its use in microeconomic theory.
2. To prepare students identify and analyse the behaviour of a seller in two fundamental market scenarios.
3. To expose students towards the basics of factor pricing in a perfectly competitive market structure.
4. To develop a brief understanding of determination of wage, rent, profit and interest rates at the micro level.

UNIT-I

Cost Function, Different concepts of costs: Nominal, Real and Opportunity cost, Cost Curves.

UNIT-II

Nature of Market, Revenue Function, Revenue Curves, Price Determination under Perfect Competition, Monopoly, Discriminating Monopoly, Imperfect and Monopolistic Competition-Elementary Treatment

UNIT-III

Marginal Productivity Theory of Distribution, Rent: Ricardian & Opportunity Cost Theories, Quasi Rent. Wage: Labour Supply and Demand Theory of Wages, The Marginal Productivity Theory, Interest: The Classical and Loanable Funds Theory, Profit: Schumpeter, Knight and J.K. Mehta.



Texts/Reference Books:

1. Koutsoyiannis, A., Modern Micro Economics, Macmillan Press, London.
2. Dominick Salvatore, Principles of Micro Economics, Oxford, New Delhi.
3. Gregory Mankiw, N., Principles of Economics, Cengage Learning, India.
4. Pindyck, R. S. Rubinfeld, D.L. & Mehta, P.L. Microeconomics, Pearson Education.
5. Paul A. Samuelson and William D. Nordhaus; Microeconomics, McGraw Hill Education, 19th edition
6. H.L. Ahuja, Advanced Economics Theory, S. Chand & Co Ltd.

Learning Outcomes:

Upon successful completion of this course, students will be able to:

1. Learners are trained to understand the interrelationships between costs, revenues and prices for producer and sellers.
2. Learners will be trained to identify the market structure, its pricing dynamics and the nature of competition or monopoly power
3. Learners are familiar with the principles of factor pricing at the micro level.
4. The learners get exposed with the nature and working of product markets and factor markets.

ECO-DSC05: Indian Economy-II

Course Objectives:

1. To familiarize students with the current issues and trends in the Indian economy.
2. To analyze major structural and policy changes in post-reform India in Industrial sector.
3. To study the role of key sectors like an industry in the economy.
4. To understand the implications of globalization, climate change, and digitalization on the Indian economy.
5. To familiarize students with the current issues and trends in the Uttar Pradesh economy.

UNIT-I

Industrial Sector, Objectives of Industrial Development, Categorisation of Industries, Growth and Expansion of Public Sector Enterprises, Development and Expansion of Private Industry

UNIT-II

Role and Importance of Cottage and Small Scale Industry. Problems of Industrial Labour in India. India's Foreign Trade: Composition and Direction, Service sector in India and its Performance



UNIT-III

Economy of Uttar Pradesh: Salient features. Demographic features of India's Population, Demographic features of Uttar Pradesh. Agriculture in Uttar Pradesh: Nature and Problems. Industrial Development in Uttar Pradesh: Nature and Problems, Challenges and Prospects of Exports from Uttar Pradesh.

Texts/Reference Books:

1. Mishra, S.K. & Puri, V.K. Indian Economy: Its Development Experience Himalaya Publishing.
2. Datt, R. & Sundaram, K.P.M. Indian Economy S. Chand & Company.
3. Kapila, Uma Indian Economy: Performance and Policies Academic Foundation.
4. Economic Survey of India (Latest Edition) Ministry of Finance, Government of India.
5. Union Budget, Government of India.
6. India Development Report IGIDR, Mumbai.
7. RBI Annual Reports and Handbooks.
8. NITI Aayog Reports Strategy for New India @75, Viksit Bharat @2047, SDG India Index.

Learning Outcomes:

Upon successful completion of this course, students will be able to:

1. Understand the structural transformation of the Indian economy
2. Critically evaluate sector-specific issues and policy interventions in industrial and service sector.
3. Interpret socio-economic challenges through the lens of Industrial labour.
4. Analyze the implications of globalization and foreign trade in the Indian economy.
5. Understand the basic features of Uttar Pradesh economy.

ECO-DSC05: Techniques of Economic Analysis-II

Course Objectives:

1. Introduce mathematical concepts essential for economic theory and applications.
2. Equip students with the ability to apply algebraic, calculus, and optimization techniques to analyze economic problems.
3. Foster understanding of the relationship between mathematical expressions and economic concepts like cost, revenue, elasticity, and optimization.
4. Prepare students for advanced courses in microeconomics, macroeconomics, and econometrics that rely on mathematical tools.



UNIT-I

Approach to Economic Analysis: Micro-Economics and Macro-Economics, Illustrations of Micro and Macro Problems.

Nature of Static and Dynamic Equilibrium: Concepts and Types. Functional Relationships in Economics: Demand, Supply, Cost, Revenue, Savings, Income and Investment etc., Illustration from Micro and Macro Economics,

Equations: Solution of Simultaneous Linear and Quadratic Equations, Analysis of Market Equilibrium Algebraic and Graphical Solutions. Curves and straight Lines, Rate of change and slope Economics illustrations, use of Linear and Non-linear functions in economics market demand, cost and revenue curves etc. nature of parabolic curves. Cost and Revenue curves and related Economics Illustrations

UNIT-II

Rates of Growth: Simple, Compound, proportional, logarithmic and Exponential

Differentiation: Elementary idea and interpretation of first and second order derivatives, maxima and minima (elementary Treatment) Economic Applications of derivatives, marginal revenue Marginal Cost, Elasticity of Demand, Elasticity of Supply, Marginal Propensity to Consume (MPC), Marginal Propensity to save (MPS) Capital Output Ratio, Profit maximization and Cost minimization. Use of Mathematical Tools in Economics Analysis.

Texts / Reference Books:

1. Chiang, Alpha C., & Wainwright, Kevin. Fundamental Methods of Mathematical Economics. McGraw-Hill Education.
2. Sydsæter, Knut, Hammond, Peter, Seierstad, Atle, & Strøm, Arne. Further Mathematics for Economic Analysis. Pearson Education Limited.
3. Sydsæter, Knut & Hammond, Peter. Mathematics for Economic Analysis Pearson Education Limited.
4. Simon, Carl P. & Blume, Lawrence. Mathematics for Economists. W.W. Norton & Company.
5. Dowling, Edward T. Schaum's Outline of Introduction to Mathematical Economics. McGraw-Hill Education.
6. Hoy, Michael, Livernois, John, McKenna, Chris, Rees, Ray, & Stengos, Thanasis. Mathematics for Economics. MIT Press.
7. Dowling, Edward T. Schaum's Outline of Introduction to Mathematical Economics. McGraw-Hill.



Learning Outcomes:

Upon successful completion of this course, students will be able to:

1. Demonstrate proficiency in algebraic operations and solve linear and nonlinear equations; also graph and interpret economic relationships using functions and equations.
2. Apply differential calculus to analyse marginal concepts in economics, and use optimization techniques to solve constrained and unconstrained economic problems.



Student Activities and Counselling

The Department has a very old democratic tradition of student-teacher interaction through various associations such as Economics Research Association (ERA) (1970), Economic Conversazione for M.A. Final students (1935), Busy Bees for M.A. Previous students (1934), Under Graduate Economics Association for **B.A. Part III [अर्थ चिन्तन]**, **B.A. II [अर्थ विमर्श]** and **B.A. I [अर्थ संवाद]** students.

Each association has an executive body which includes elected student-members to manage the activities of the Associations along with the teachers of the Department who act as President and Treasurer. Each student is provided with a well-planned course description relevant for him/her in the session. These associations also play an important role for career guidance/ counseling of the students.

The activities of Economics Research Association (ERA) include Pre-Doctoral seminars, Doctoral presentations, paper reading, lectures, web-sessions, symposiums etc. for the research scholars.

The Undergraduate and Postgraduate Associations also organize symposiums and competitions like quiz, debate, essay competition, painting competition and other academic activities. In the joint annual function of Undergraduate Associations the prize winners are awarded certificates and prizes.

The joint annual function of postgraduate students of economics is one of the important social events of the Department and the University.

Under-Graduate Economics Association (B.A.-I) (अर्थ संवाद)

Patron	:	Prof. Kiran Singh (Head)
President	:	Dr. Pradeep Kumar Singh
Treasurer	:	Dr. Pooja Srivastava



UNDERGRADUATE ECONOMICS ASSOCIATION
B.A. I, II & III
ANNUAL Competitions (2024-25)

The Prize Winners

B.A.-I

★ Essay Competition

First	Pawan Kumar
Second	Richa Mishra
Third	Preksha Tripathi
Third	Bharti Kumari
Consolation	Priyanshu Kumar Singh
Consolation	Saumya Gupta

★ Painting/Poster Competition

First	Ayushi Pandey
Second	Shree Upadhyay
Third	Neha Kumari
Consolation	Priyanshi Rana
Consolation	Pooja Sahu

★ Just a Minute (JAM) Competition

First	Sujal Shukla
Second	Tanu
Third	Preksha Tripathi

Class Representative

Preksha Tripathi, Arjit Kushwaha, Mahima Upadhyay, Abhay Gangwar, Shivani, Abhishek Verma, Pooja Gautam, Anurag, Sanvi Kumari, Alok Kumar, Shrishti Singh, Shivam Yadav, Shachi Tripathi, Pawan Kumar, Mohini Pandey, Navneet Kumar

B.A.-II

★ Essay Competition

First	Harshit Singh
Second	Rajeev Prajapati
Third	Priya
Consolation	Rashmi Yadav
Consolation	Sarita Yadav

★ Painting/Poster Competition

First	Riddhi Jaiswal
Second	Smtiti Ojha
Third	Harshit Singh
Consolation	Poorima
Consolation	Priya

★ Just a Minute (JAM) Competition

First	Abhiram
Second	Riddhi Jaiswal
Third	Khusi Jaiswal

Class Representative

Khusi Jaiswal, Saksham Singh, Nidhi, Sumit Kumar, Murshid Alam, Mahak Gupta, Ashutosh Mishra, Riddhi Jaiswal



B.A.-III

*** Essay Competition**

First	Nishit Pandey
Second	Hardik Katiyar
Third	Priyanka Yadav
Consolation	Anmol Narayan
Consolation	Vishal Gupta

*** Painting/Poster Competition**

First	Anmol Narayan
Second	Priyanka Kushwaha
Third	Riya Jaiswal
Consolation	Priyanka Yadav
Consolation	Shraddha Singh

*** Just a Minute (JAM) Competition**

First	Priyanka Kushwaha
Second	Priyanka Yadav
Third	Laxmi Shuka
Consolation	Arushi Yadav

Class Representative

Anchal Bharti, Hardik Katiyar, Nidhi Seth, Utkarsh Mishra, Priya Singh, Ashutosh Kesharwani, Priyanka Kushwaha, Kushagra Singh



Department of Economics

Faculty Members

1. Chaturvedi, B. K.	Asso. Professor	M.A., Ph.D.	Microeconomics, Development Economics, Macroeconomics
2. Gupta, Rekha	Asst. Professor	M.A., Ph.D.	Development & Planning, Environmental Economics
3. Jain, Swati	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Macro Economics, Public Finance
4. Karimullah	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Financial Economics, Monetary Economics, Econometrics
5. Maurya, Garima	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Development Economics, Econometrics
6. Pandey, Aditi	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Financial Markets
7. Pandey, Sumedha	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Public Economics
8. Sahoo, Manoranjan	Asst. Professor	M.A., Ph.D.	Macroeconomics
9. Satyakam, Shreedhar	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Econometrics, Macroeconomics, Environmental Economics
10. Singh, Kiran	Professor & Head	M.A., D.Phil.	Agricultural Economics, Industrial Economics
11. Singh, Pradeep K.	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	International Economics, India's Economic Policy, Globalization Studies
12. Srivastava, Pooja	Asst. Professor	M.A., Ph.D.	Econometrics, Mathematical Economics, Indian Economic Policy
13. Uraon, Dharmnath	Asst. Professor	M.A., Ph.D.	Mathematical Economics, Mathematical Statistics & Banking Theory

NITI Aayog Chair Professor

- Prof. Jean Dreze 2009 - 2015
- Prof. Manmohan Krishana 2022 - 2025

DEPARTMENT OF ECONOMICS



Heads of the Department

S.N.	NAME	Year	
		From	To
1.	Prof. H. S. Jevons	1914	1923
2.	Prof. A. R. Burnett-Hurst	1923	1927
3.	Prof. C. D. Thompson	1927	1935
4.	Prof. S. K. Rudra	1936	1951
5.	Prof. N. S. Subba Rao	1942	1943
	(In leave vacancy)		
6.	Prof. J. K. Mehta	1951	1963
7.	Prof. P. C. Jain	1964	1977
8.	Prof. S. L. Parmar	1978	1979
9.	Prof. Mahesh Chand	1979	1981
10.	Prof. D. S. Kushwaha	1982	1989
11.	Prof. V. K. Anand	1990	1997
12.	Prof. P. N. Mehrotra	1997	2008
13.	Prof. Alka Agarwal	2008	2010
14.	Prof. U. S. Rai	2010	2012
15.	Prof. Jagdish Narayan	2012	2014
16.	Prof. Prahlad Kumar	2014	2016
17.	Prof. Manmohan Krishna	2016	2018
18.	Prof. G. C. Tripathi	2018	2020
19.	Prof. P. K. Ghosh	2020	2022
20.	Prof. Kiran Singh	2022	till date